गैरजरूरी नियम हटाएं जाएं, आम लोगों और उद्यमियों को मिले भरोसेमंद प्रशासन : योगी

सीएम ने की कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-II की समीक्षा, कहा सुधार कागज पर नहीं, जमीन पर दिखने चाहिए

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कम्प्लायंस रिडक्शन और डी-रेगुलेशन फेज-II की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य आम नागरिकों और उद्यमियों को गैर जरूरी नियमों, अनुमतियों और निरीक्षणों से राहत देना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुधार केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर असर दिखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डी-रेगुलेशन का मतलब नियंत्रण खत्म करना नहीं, बल्कि अनावश्यक नियम हटाकर जरूरी प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाना है। उन्होंने बताया कि कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-I में उत्तर प्रदेश को देश में पहला स्थान मिला है और अब फेज-II के जरिए इन सुधारों को स्थायी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह फेज केवल नियमों में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली और सोच में बदलाव का माध्यम है।

उन्होंने दोहराया कि सरकार का संकल्प उत्तर प्रदेश को ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, दोनों में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। बैठक में बताया गया कि लैंड यूज चेंज जैसी जटिल अनुमतियों को खत्म करने या सरल करने की तैयारी है, ताकि किसानों और भू-स्वामियों को राहत मिल सके। भवन निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं में सेल्फ-सर्टिफिकेशन और डीम्ड अप्रूवल को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इसके अलावा, विभिन्न विभागों की सेवाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर तय समयसीमा में निस्तारण किया जाएगा। बिजली कनेक्शन, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी अनुमतियों को भी सरल और ऑनलाइन बनाया जा रहा है, ताकि निवेश और सेवाओं का विस्तार हो सके।

निजी खेल अकादमियों को सरकार देगी प्रोत्साहन : सीएम

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पश्चिमी यूपी के युवाओं में खेलों के प्रति गहरी रुचि है। यहां के खिलाड़ी ओलंपिक सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। इस उत्साह को देखते हुए सरकार अब निजी खेल अकादमियों को भी सहयोग प्रदान करेगी। इससे खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी। सीएम बृहस्पतिवार को मेजर ध्यानचंद खेल विवि के निर्माण कार्यों के निरीक्षण के बाद मीडिया से बात कर रहे थे।

मेरठ में खेल विवि के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

उन्होंने कहा कि विवि का निर्माण कार्य 31 मई 2026 तक हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। इस वर्ष अप्रैल से विवि परिसर में ही नए सत्र की शुरुआत की जाएगी। कहा, पिछले कुछ वर्षों में देश में खेलों को लेकर एक नई संस्कृति विकसित हुई है। ग्रामीण स्तर पर लीग, विधायक खेलकूद प्रतियोगिता, सांसद खेल, खेलो इंडिया गेम्स और फिट इंडिया जैसी पहल हुई है। खेल गतिविधियां प्रधानमंत्री के विकसित भारत बनाने के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इसी सोच के साथ प्रदेश का पहला खेल विवि स्थापित किया जा रहा है। संवाद

सीएम योगी ने बृहस्पतिवार को मेरठ में बन रहे मेजर ध्यानचंद खेल विवि के निर्माण कार्यों को देखा। -सूचना विभाग

खेल विवि के परिधान, प्रतीक चिह्न और फ्लैग का अनावरण

सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्र शुरू होने से पहले स्थायी स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जाए। सीएम ने विवि के पाठ्यक्रमों, प्रस्तावित शैक्षणिक संरचना, डिग्री, बजट की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि विवि का लोकार्पण समय पर हो सके। इस दौरान सीएम ने विवि के परिधान, प्रतीक चिह्न और फ्लैग का भी अनावरण किया। विवि के कुलपति मेजर जनरल दीप अहलावत ने सीएम को प्रगति की जानकारी दी।